B.A. II

Date: / /

ब्राजील - यह विश्व का ~~सातवाँ~~ तीसरा बड़ा मक्का उत्पादक क्षेत्र है। ब्राजील मे उत्तर पूर्वी भाग से लेकर सुदूर दक्षिण तक मक्का की कृषि की जाती है। देश का समस्त उत्पादन का लगभग तीन चौथाई भाग मेगासंगेरास साओपोलो व रायोग्राण्डे राज्यो से प्राप्त होता है

मैक्सिको → यह विश्व का सातवां बड़ा उत्पादन देश है। उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु तथा उपजाऊ मिटियो के कारण मैक्सिको मे मक्का काफी मात्रा मे पैदा होती है। यहा लगभग तीन चौथाई क्षेत्र कृषि भूमि पर मक्का पैदा की जाती है।

अर्जेण्टाइना - विश्व मे मक्का उत्पादन की दृष्टि से अर्जेण्टाइना का चौथा स्थान है। यहा मक्का पेटी परम्परा के कारण मैक्सिको मे मक्का काफी मात्रा मे पैदा होती है। यहा लगभग तीन चौथाई कृषि भूमि पर मक्का पैदा की जाती है।

भारत - मक्का उत्पादन मे भारत का विश्व मे छठा स्थान है। प्रतिकुल जलवायु दशाएँ कृषि के पुराने तरीके व अउपजाऊ मिट्टियो के कारण भारत मे मक्का का प्रतिहेक्टेयर उत्पादन बहुत कम है। यहां मक्का खाद्यान्न के रूप मे प्रयुक्त होता है।

उत्तर प्रदेश मध्यप्रदेश बिहार पंजाब हरियाणा व राजस्थान प्रमुख मक्का उत्पादक राज्य है।

Date: / /

उत्पादक क्षेत्र → जौ

जौ उन स्थानो पर अधिक होता है जो शुष्क है और जहा वर्षा ऋतु छोटी होती है। विश्व मे जौ की सबसे अधिक खेती यूरोप महाद्वीप मे की जाती है। जहाँ कुल उपज लगभग 72% होता है।
जौ पैदा करने मे रूस प्रथम स्थान पर है। जहाँ से विश्व उत्पादन का लगभग 10% प्राप्त किया जा सकता है। अन्य जर्मनी वेलारूस कजाखस्तान यूक्रेन फ्रांस कनाडा ग्रेट ब्रिटेन स्पेन टर्की चीन भारत और पोलैण्ड है।
दक्षिणी गोलार्द्ध मे तो इसकी बहुत कम पैदावार होती है।

जई

गेहूँ या जौ की भाँति जई की खेती अधिक प्राचीन नही है। इसका मूल स्थान एशिया माइनर माना जाता है।
चौथी शताब्दी से पूर्व यूनानी लोगों का यह मुख्य खाद्यान्न था।

भौगोलिक अवस्थाए —

जई ठण्डे प्रदेशो की पौधा है। साधारणत: जई की पैदावार के लिए वही जलवायु उपयुक्त होती है जो कि गेहूँ या जौ के लिए होती है। लेकिन चूँकि इसके पकने मे अधिक समय लगता है अत: इसके आधिक वर्षा और गर्मी इसके लिए आवश्यक होती है। इसके लिए कम से कम 24°C और आधिकर — 30°C तापमान की आवश्यकता होती है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया